PROMOTION OF ENGLISH LANGUAGE

KVs are one of the best places to learn English or any language for that matter.

While grammar is given much importance you can also get assured that when you pass out you will have the conversational skill and vocabulary that will give other kids enough reason to envy you.

KVS focus to give you the confidence, aptitude and language to prepare you for any kind of a situation. One thing you must understand is that even though the teaching of English is really good you will be learning most of the language through your actual teachers as well as friends too. All the KVians out there would agree to it.

English is needed in every aspect of today's life and to understand and speak it the best there is hardly any place better than Kendriya Vidyalayas.

STEPS TAKEN AT VIDYALAYA LEVEL

1. Special emphasis on spoken English in the classrooms.

2. Teachers of all the other subjects are also to co-operate.

3. Students are encouraged to participate in different CCA activities related to English language.

4. Classroom activities like English elocution, English debate, English article writing etc. are conducted.

5. Focus on English grammar specially at primary and secondary levels.

6. Monthly meetings of all the language teachers are held to adopt the best and latest change came in the language learning process.

हिंदी भाषा का विकास

पृष्ठभूमि - हिंदी की प्रसिद्धि आज देश ही नहीं अभी तो विदेश मे भी है। हिंदी का सरलतम रूप आज समाज में व्याप्त है। हिंदी का अध्ययन देश ही नहीं अपितु विदेश में भी किया जा रहा है। हिंदी भाषी क्षेत्रों का दायरा व्यापक और विस्तृत होता जा रहा है , जिसमें संभावनाएं असामान्य रूप से बढ़ती जा रही है।

खड़ी बोली को पीछे छोड़कर हिंदी भाषा में एक नया रूप धारण किया , जिसमें इसके पाठकों और श्रोताओं का साथ मिलता गया। हिंदी भाषी लोग भारत में बेहद ज्यादा संख्या में उपलब्ध है , जिसके कारण भारतीय साहित्य में हिंदी भाषा ने अपनी प्रतिष्ठा प्राप्त कर ली। वर्तमान शोध में यह पाया गया है कि इंटरनेट की दुनिया में गुणात्मक रूप से वृद्धि करने वाली भाषा हिंदी है।

जिसके अध्ययन के लिए विदेशी लोग भी लालाहित हैं।

माना जाता है हिंदी का जन्म उर्दू , अरबी और फारसी भाषाओं से हुआ है। मेरा ऐसा मानना है काफी शब्द उनसे ग्रहण किया गया है , किंतु संस्कृत का यह सरलतम रूप है। हिंदी मे , संस्कृत और उर्दू के शब्दों भाषा के शब्दों का प्रयोग देखने को मिलता है।

वैश्विक स्तर पर हिंदी का महत्व

भारत सदैव से विश्व गुरु माना गया है , बीच में कुछ कालखंड ऐसे रहे जहां भारत अपनी राजनीतिक परिस्थितियों में घिर गया था। किंतु वह आज भी विश्व गुरु बनने की राह में पीछे नहीं है। भारत में वैदिक गुरुकुल और शिक्षा को ग्रहण करने के लिए देश-विदेश से शिक्षार्थी आया करते थे यहां के गुरुकुल की शिक्षा दुर्लभ थी। नालंदा विश्वविद्यालय इसका एक प्रमुख उदाहरण है।

- भारत ने ही विश्व को वेद और योग तथा विज्ञान की शिक्षा दी।
- भारतीय वेद पुराणों में निहित विज्ञानों को आज के वैज्ञानिक खोज कर रहे हैं।
- जबकि उन सभी को भारतीय वेद पुराण में लिखा जा चुका था।

इसको आप झुठला नहीं सकते।

ठीक इसी प्रकार हिंदी की पकड़ विश्व स्तर पर हो गई है। इसके पाठकों के माध्यम से हिंदी भाषा का विस्तार हो रहा है। आज विदेशी लोग भी व्यापार करने के लिए भारत की ओर ताक रहे हैं। ऐसी स्थिति में वह हिंदी भाषा का गहन अध्ययन कर रहे हैं। आए दिन शोध में यह पाया जा रहा है कि भारतीय हिंदी भाषा का निरंतर गुणात्मक रूप से विकास हो रहा है। अतः इनकी आबादी और पाठकों की संख्या बेहद अधिक है ऐसे में विदेशी भी भारत की ओर अपनी संभावनाएं तलाश रहे हैं।

इटरनट पर इाग्लश आर चाइना भाषा क बाद हिदा हा सबस लाकाप्रय भाषा माना जा रहा ह। दश विदश के लोग हिंदी सीखने के लिए मोटी रकम खर्च कर रहे हैं।

विद्यालय स्तर पर उठाये गए कदम

1 विद्यार्थियों के मध्य उच्चारण एवं वर्तनी की शुद्धता स्थापित करना।

2 वाद-विवाद, समूह चर्चा, , विचार. विमर्श, निबंध. लेखन, कहानी एवं कविता सुनाने के द्वारा हिंदी के प्रति रूचि उत्पन्न करना।

3 अध्यायकों एवं कर्मचारियों के मध्य राजभाषा कार्यान्वयन समिति द्वारा उठाए गए कदमों के द्वारा हिंदी भाषा का विकास ।

4 कर्मचारियों के लिए राजभाषा कार्यशाला का आयोजन ।

5 राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक।